प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में विजुअल आर्ट्स का प्रदर्शन

जामिया मिलिया इस्लामिया के लिए 2 अक्टूबर, 2023 को गांधी जयंती मनाना एक गर्व का क्षण रहा क्योंकि इसी महीने जामिया भी गांधी जी की विचारधारा पर चलते हुए अपनी सफलता के 103 साल पूरे करेगा। इस अवसर पर एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी में विजुअल आर्ट्स के कई रूपों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसे जामिया के ललित कला संकाय द्वारा तैयार किया गया है।

प्रदर्शनी सामाजिक यथास्थिति की समृद्धि पर केंद्रित है, जबकि प्रदर्शनी के प्रतिभागियों में कला शिक्षा विभाग के संकाय सदस्यों के साथ-साथ पीएचडी शोधार्थी भी शामिल हैं।

गांधी की विरासत के ढांचे में उनके आदर्श भारत के दृष्टिकोण से लेकर पर्यावरणवाद, जेंडर समानता, आध्यात्मिकता, सत्य, अहिंसा और अन्य विचारों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। नतीजतन, पेंटिंग, प्रिंट, और मिश्रित मीडिया, इंस्टॉलेशन, और अवधारणा आधारित कलाकृति और मूर्तियों सहित विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां, इस प्रदर्शनी के माध्यम से अपने विचारों को स्पष्ट करती हैं।

इसके अलावा यह प्रदर्शनी भारत में महामारी की स्थिति के दौरान इन चिंताओं पर खंडित राय और टिप्पणियों की प्रचुरता से आगे बढ़ते हुए, हाल के वर्षों में किए गए मूल्यवान प्रभावों पर केंद्रित है, उदाहरण के लिए महामारी परिवर्तन। इसी तरह, राजेश चौहान की 'डाइनिंग टेबल-कोविड-19' नामक मूर्ति अपनी अनूठी लेकिन गतिशील प्रस्तुति के साथ महामारी के दौरान भारतीय लोगों के कष्टों, हानि, दिशाओं और विचार-विमर्श प्रथाओं को दर्शाती है। इसके अलावा, कार्य प्रतिबंधों के अनुपालन को सुनिश्चित करने पर चिंताओं को संबोधित करने पर भी प्रकाश डालता है। राजेश ने सहजता से इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मीडिया प्रसारण के माध्यम से भारतीय राजनीति के साथ अपने संचार में इन चिंताओं को कैसे देखते हैं।

इसके अलावा, पहचान निर्माण, लैंगिक समानता, प्रकृति और मानव के बीच संबंध और अन्य सामाजिक राजनीतिक चिंताएं प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण हैं।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया